कक्षा सातवीं

विषय हिंदी

पाठ 3 परिवर्तन्

1 शब्दार्थ

सहपाठी-साथ पढ़ने वाला, बर्रे-ततैया,

अचूक-खाली न जाने वाला, नास्तिक-ईश्वर को न मानने वाला, मूर्तिवत-मूर्ति की तरह बिना हिले-डुले, दूरदर्शी-दूर की या भविष्य की सोचने वाला, प्रतीत-ज्ञात हुआ

मंसूबे-इरादा

2. निम्नलिखित मौखिक प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क. बोधराज कौन था?

उत्तर. बोधराज लेखक का मित्र था।

ख. लेखक की मां को उनका बोधराज के साथ खेलना क्यों पसंद नहीं था?

उत्तर लेखक की मां को उनका बोधराज के साथ खेलना इसलिए पसंद नहीं था क्योंकि बोधराज जानवरों को तंग करता था।

ग. गोदाम में मैना का घोंसला ही है चील का नहीं

बोधराज को ऐसा विश्वास क्यों था?

उत्तर - बोधराज को ऐसा विश्वास इसलिए था क्योंकि चील अपना घोंसला पेड़ों पर बनती आती है।

घ. बोधराज ने मैना का घोंसला कैसे उतारा?

उत्तर- बोधराज ने दीवार के साथ रखी मेज़ को घोंसले- के नीचे ले आया, फिर उसने एक टूटी हुई कुर्सी उस पर रख दी और उसके ऊपर खड़े होकर

घोंसले को उठा लिया, इस प्रकार मैना का घोंसला उतारा।

3. निम्नलिखित लिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क. लेखक को बचपन के सहपाठी बोधराज की क्या बातें याद आई?

उत्तर- बोधराज बहुत शैतान लड़का था। हम सब उससे डरते थे। गली की नाली पर जब बर्रें आकर बैठते, तो वह हाथ से बर्रें को पकड़ कर उसका डंक निकाल लेता और फिर बर्रे की टांग में धागा बांधकर उसे पतंग की तरह उड़ाने की कोशिश करता। फूल पर बैठी तितली को पकड़ कर उंगलियों के बीच मसल डालता या तितली में पिन खोंसकर उसे अपनी कॉपी में टांक लेता।

ख. लेखक की मां ने बोधराज को गोदाम से घोंसला हटाने को क्यों कहा?

उत्तर- लेखक की मां ने बोधराज को गोदाम से घोंसला हटाने को इसलिए कहा क्योंकि उसे घोसले तोड़ने में मजा आता था।

ग. बोधराज ने अपना संतुलन बनाते हुए धीरे से मैना के बच्चों का घोंसला उठा लिया और गोदाम में से निकलकर गैराज में आ गया इस प्रकार चील से बच्चों को बचाया।

घ. बोधराज ने मैना के बच्चों की देखभाल कैसे की?

उत्तर- बोधराज ने मैना के बच्चों की चोंच में बूंद- बूंद पानी डाला । लेखक को छूने से मना किया और स्वयं भी नहीं छुआ इस प्रकार देखभाल की।

ड. इस प्रश्न को छात्र स्वयं लिखेंगे।

निम्नलिखित वाक्य किसने किससे कहें-

क. उत्तर - बोधराज ने लेखक से कहा।
ख. उत्तर- लेखक ने बोधराज से कहा।
ग. उत्तर- बोधराज ने लेखक से कहा।
घ. उत्तर- लेखक ने बोधराज से कहा।

2. 'शरारतों की भी कोई सीमा होनी चाहिए। इस ...

बात भाषा की

1. ड-ड़, ढ-ढ़ वर्णों का उच्चारण कीजिए और अंतर पहचानिए।

डर, उड़ान, पेड़, डंक, लड़का, कंकड़, डालना, चढ़ना, ढूँढ़, तोड़ना

2. मेज़ तथा फ़र्श शब्दों में ज़, फ़ के नीचे नुक्ता लगा है।

* उचित वर्ण के नीचे नुक्ता लगाइए।

ज़ालिम, दरवाज़ा, ज़गह, बोधराज, गैराज, साफ़, मज़ा, फाहे, फ़र्क

3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए।

क. जो एक ही कक्षा में पढ़ता हो ..... सहपाठी

ख. जिसके हृदय में ममता न हो ..... निर्मम

ग. जो हिंसा करता हो ..... हिंसक

घ. आगे की या दूर की सोचने वाला ..... दूरदर्शी

ङ. जो ईश्वर को न मानता हो ..... नास्तिक

4. 'डर' शब्द का अर्थ सहित शब्द-परिवार जानिए।

डर	–	भय का भाव	डरपोक	–	डरने वाला
निडरता	–	न डरने का भाव	डरावना	–	देखने में भयावह

अब इसी प्रकार 'भाग्य' शब्द का अर्थ सहित शब्द-परिवार लिखिए।

भाग्यवान - जिसका भाग्य अच्छा हो

सौभाग्य - बहुत अच्छा भाग्य

दुर्भाग्य - खराब भाग्य

5. निम्नलिखित वाक्य रचना की दृष्टि से किस प्रकार के वाक्य हैं?

क. तितली में पिन खोंसकर उसे अपनी कॉपी में टाँक लेता। ..... सरल

ख. वह ऐसा निशाना लगाता कि दूसरे ही क्षण पक्षियों की चीं-चीं सुनाई देती। ..... मिश्र

ग. बोधराज ने गुलेल उठाई और सीधा निशाना चील पर साध दिया। ..... संयुक्त

घ. चील अपना घोंसला पेड़ों पर बनाती है। ..... सरल